This Question Paper consists of 35 questions and 8 printed pages.
अस्मिन् प्रश्नपत्रे 35 प्रश्नाः एवम् 8 मुद्रित पृष्ठाः सन्ति।
इस प्रश्न–पत्र में 35 प्रश्न तथा 8 मुद्रित पृष्ठ हैं।

Roll No.
अनुक्रमाङ्कः | | | | | | | | | | | |

Code No. 65/SS/A
गूढसंख्या Set
स्तवकः A

SANSKRIT SAHITYA
संस्कृतसाहित्यम्
(348)

Day and Date of Examination :
(परीक्षादिवसः दिनाङ्कश्च)
(परीक्षा दिन और तिथि) _____

Signature of Invigilators : 1. _____
(निरीक्षकयोः हस्ताक्षरम्)
(निरीक्षक के हस्ताक्षर)

2. _____

सामान्या निर्देशाः / सामान्य निर्देश :

1 अनुक्रमाङ्कः प्रश्नपत्रस्य प्रथमपृष्ठे नूनं लेख्यः।

प्रश्नपत्र के प्रथम पृष्ठ पर अपना अनुक्रमांक अवश्य लिखें।

2 निरीक्ष्यताम् यत् प्रश्नपत्रस्य पृष्ठसंख्या प्रश्नानां च संख्या प्रथमपृष्ठस्य प्रारम्भे प्रदत्तसंख्या समाना न वा। प्रश्नक्रमः सम्यग् न वा।

प्रश्नपत्र के प्रश्नों की संख्या प्रारम्भ में दी गई संख्या के समान है या नहीं, ठीक है या नहीं, यह देखने योग्य है।

3 वस्तुनिष्ठप्रश्नानाम् (क), (ख), (ग), (घ) एषु विकल्पेषु युक्तम् उत्तरं चित्वा उत्तरपत्रे लेख्यम्।

वस्तुनिष्ठ प्रश्न (क), (ख), (ग), (घ) इन विकल्पों में उचित उत्तर चुनकर उत्तर–पुस्तिका में लिखिए।

4 समेषां प्रश्नानाम् उत्तराणि निर्धारितसमये एव लेख्यानि।

सभी प्रश्नों के उत्तर निर्धारित समय में ही लिखें।

5 उत्तरपत्रे आत्मपरिचयात्मकं लेखनम् अथवा निर्दिष्टस्थानं विहाय अन्यत्र क्वापि अनुक्रमाङ्कलेखनं सर्वथा वर्जितमस्ति।

उत्तर–पुस्तिका में अपना परिचय देते हुए या निर्दिष्ट स्थान को छोड़कर और कहीं भी अपना रोल नं. न लिखें।

6 स्वस्य उत्तरपत्रे प्रश्नपत्रस्य गूढसंख्या **65/SS/A,** सेट- **A** नूनं लेख्या।

अपनी उत्तर–पुस्तिका पर प्रश्न–पत्र की कोड संख्या **65/SS/A,** सेट- **A** लिखें।

7 समेषां प्रश्नानाम् उत्तराणि संस्कृतभाषया एव लेख्यानि।

सभी प्रश्नों के उत्तर केवल संस्कृत भाषा में ही लिखें।

SANSKRIT SAHITYA
संस्कृतसाहित्यम्
(348)

परीक्षासमयावधिः (Time) होरात्रयम् (3 Hrs)] [पूर्णाङ्काः (Full Marks) : 100

निर्देशाः :

(1) अस्मिन् प्रश्नपत्रे [A] भागे 10, [B] भागे 10, [C] भागे 10, [D] भागे 5 इति आहत्य 35 प्रश्नाः सन्ति।
इस प्रश्न–पत्र में [A] भाग में 10, [B] भाग में 10, [C] भाग में 10, [D] भाग में 5 – कुल मिलाकर 35 प्रश्न हैं।

(2) प्रश्नस्य दक्षिणे पार्श्वे संख्यासु (अङ्काः × प्रश्नाः = पूर्णाङ्काः) इति एवम् अङ्कान् निर्दिशति।
प्रश्न के दाहिने तरफ संख्या (अङ्क × प्रश्न = पूर्णाङ्क) का निर्देश है।

(3) सर्वे प्रश्नाः अनिवार्याः।
सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।

[A] दशानां युक्तं विकल्पं चिनुत। 1×10=10
दसों के उपयुक्त विकल्प चुनिए :

1. महाभारतस्य प्रणेता कः ?
(क) कालिदासः (ख) भासः
(ग) वाल्मीकिः (घ) व्यासः
महाभारत के प्रणेता (रचनाकार) कौन हैं ?
(क) कालिदास (ख) भास
(ग) वाल्मीकि (घ) व्यास

2. उपमालङ्कारस्य प्रयोगे कः प्रसिद्धः ?
(क) व्यासः (ख) भवभूतिः
(ग) श्रीहर्षः (घ) कालिदासः
उपमा अलंकार के प्रयोग में कौन प्रसिद्ध है ?
(क) व्यास (ख) भवभूति
(ग) श्रीहर्ष (घ) कालिदास

3. आनाकरथवर्त्मनाम् इति पदं केषां विशेषणम्।

(क) रघूणाम् (ख) गुरुणाम्

(ग) मितभाषिणाम् (घ) हितकारिणाम्

'आनाकरथवर्त्मनाम्' यह पद किसका विशेषण है?

(क) रघु का (ख) गुरु का

(ग) मितभाषी का (घ) हितकारी का

4. नित्यानित्यविवेकविचारम् इतयत्र नित्यानित्यपदे कः सन्धिः।

(क) वृद्धिसन्धिः (ख) दीर्घसन्धिः

(ग) गुणसन्धिः (घ) यण्–सन्धिः

नित्यानित्यविवेकविचारम् – यहाँ 'नित्यानित्य' पद में कौन–सी संधि है?

(क) वृद्धि संधि (ख) दीर्घ संधि

(ग) गुण संधि (घ) यण् संधि

5. शुकनासः कस्मै राजलक्ष्मीज्ञानं प्रददाति।

(क) वैशम्पायनाय (ख) भट्टबाणाय

(ग) तारापीडाय (घ) चन्द्रापीडाय

शुकनास किसे राजलक्ष्मी ज्ञान को देता है?

(क) वैशम्पायन को (ख) भट्टबाण को

(ग) तारापीड को (घ) चन्द्रापीड को

6. कस्य आराधनाय जानकीमपि मुञ्चतः मे व्यथा नास्ति।

(क) कालिदासस्य (ख) लोकस्य

(ग) रामस्य (घ) दशरथस्य

किसकी आराधना के लिए जानकी को भी मुक्त करने में मुझे कोई कष्ट नहीं है?

(क) कालिदास की (ख) लोक की

(ग) राम की (घ) दशरथ की

7. रसगङ्गाधरे नामत्रयं कस्याचार्यस्य दृश्यते।

(क) कालिदासस्य (ख) आनन्दवर्धनस्य

(ग) अप्पयदीक्षितस्य (घ) कुन्तकस्य

रसगङ्गाधर में किस आचार्य के तीन नाम दिखाई देते हैं?

(क) कालिदास के (ख) आनन्दवर्धन के

(ग) अप्पयदीक्षित के (घ) कुन्तक के

8. प्रायः 75 संस्कृतटीकाः कस्य ग्रन्थस्योपरि प्राप्ताः।

(क) ध्वन्यालोकस्य (ख) काव्यप्रकाशस्य

(ग) कुवलयानन्दस्य (घ) रसगङ्गाधरस्य

75 टीका (भाष्य) संस्कृत के किस ग्रंथ के ऊपर प्राप्त हुए हैं?

(क) ध्वन्यालोक के (ख) काव्यप्रकाश के

(ग) कुवलयआनन्द के (घ) रसगंगाधर के

9. कोऽस्ति यः सामान्यजनस्यापि उपकारं कदापि न विस्मरति।

(क) कालिदासः (ख) लक्ष्मणः

(ग) रामः (घ) भरतः

ऐसा कौन है जो सामान्य लोगों का भी भला करना नहीं भूलता?

(क) कालिदास (ख) लक्ष्मण

(ग) राम (घ) भरत

10. कदलीदलकुञ्जायितस्य इत्यस्मिन् पदे कोऽलङ्कारः।

(क) अनुप्रासः (ख) आनुप्रासः

(ग) अनुप्रसः (घ) आनप्रासः

'कदलीदलकुञ्जायित' – इस पद में कौन–सा अलंकार है?

(क) अनुप्रास (ख) आनुप्रास

(ग) अनुप्रस (घ) आनप्रास

[B] दशानां यथानिर्देशम् उत्तराणि लघूनि लिखत। 2×10=20
दसों के निर्देशानुसार लघु उत्तर लिखिए :

11. अभिज्ञानशाकुन्तलम् कस्य कृतिः। तत्र कति अङ्काः। 1+1
अभिज्ञानशाकुन्तल किसकी रचना है? इसमें कितने अंक हैं?

12. आकाशमण्डलस्य मणिः कः। गुरुसेवनपटुः कः। 1+1
आकाश मण्डल का मणि कौन है? गुरु की सेवा में कौन कुशल है?

13. वक्रोक्तिसम्प्रदायस्य प्रवर्तकः कः। तस्य ग्रन्थः कः। 1+1
वक्रोक्ति सम्प्रदाय का प्रवर्तक कौन है? उनका ग्रंथ कौन–सा है?

14. गुरोः वसिष्ठस्य आश्रमं कौ जग्मतुः। गुरोः इत्यत्र का विभक्तिः। 1+1
गुरु वसिष्ठ के आश्रम में कौन गए? 'गुरोः' – यहाँ कौन–सी विभक्ति है?

15. विरागः मनुष्यस्य किं प्रददाति। सर्वत्र समचितभावेनाचिरात् किं लभ्यते। 1+1
विराग (वैराग्य) मनुष्य को क्या प्रदान करता है? सब जगह समान चित्त रखने से क्या लाभ मिलता है?

16. गायत्री अमुमेव गायतीत्यत्र अमुमिति पदेन किं गृह्यते। असौ षोडशवर्षदेशीयः वटुः आकृत्या कीदृशः। 1+1
'गायत्री भी इन्हीं का मान करती है।' – गायत्री किसका मान करती है ? सोलह वर्षीय वटु की आकृति कैसी थी?

17. योगिराडुत्थित इति जनाः कया परम्परया श्रुतवन्तः। सुघटितं शरीरम्, सान्द्रां जटाम्, मधुरां वाचं कस्य। 1+1
योगिराज के उदय के विषय में लोगों ने किस परंपरा में सुना? सुगठित देह, घनी जटाएँ और मधुर वचन किसके थे?

18. आहिताग्नीनां गृहस्थता कैः सङ्कटा। गृहस्थता इत्यत्र कः प्रत्ययः। 1+1
आहित अग्नियों की गृहस्थता कैसी संकटकारी होती है? गृहस्थता – यहाँ कौन–सा प्रत्यय है?

19. वीरप्रसवा भूयाः कथनमिदं केन प्रेषितम्। कस्यै प्रेषितम्। 1+1
'वीर पुत्र की जननी हो' (वीर प्रसूता बन जा) यह कथन किसने किसके लिए भेजा?

20. पापात् यजमानस्य पुरोहितस्य चाच्छादनं किं करोति। पद्यं कतिविधम्। 1+1
यजमान को पाप से बचाने के लिए पुरोहित क्या करता है? पद कितने प्रकार के होते हैं?

[C] दश अनतिदीर्घोत्तरैः समाधत्त। 4×10=40

दसों प्रश्नों के लघु उत्तर दीजिए :

21. ग्रन्थदिशा दिलीपस्य गुणान् सङ्क्षेपेण लिखत।
ग्रंथ के अनुसार दिलीप के गुणों के विषय में संक्षेप में लिखिए।

22. अप्पयदीक्षितभोजराजयोः एकस्य परिचयं ग्रन्थदिशा निरूपयत।
'अप्पयदीक्षित और भोजराज' में किसी एक का परिचय ग्रंथ के अनुरूप दीजिए।

23. अलंकारस्वरूपम् अलङ्कारप्रयोजनं वा ग्रन्थदिशा वर्णयत।
अलंकार का स्वरूप अथवा अलंकार का प्रयोजन ग्रंथ के आधार वर्णित कीजिए।

24. कालिदासस्य भाषाशैलीं संक्षेपेण कुमारसम्भवस्य परिचयं वा लिखत।
कालिदास की संक्षेप में भाषा–शैली या कुमारसंभव के विषय में संक्षेप में लिखिए।

25. गौरसिंहकुटीरस्य सौन्दर्यं श्यामवटोः शरीरसौन्दर्यं वा निरूपयत।
गौरीसिंह की कुटीर (कुटिया) के सौंदर्य का अथवा श्यामवटु के शरीर सौंदर्य का वर्णन कीजिए।

26. यौवनकाले जायमानं तमः कीदृशं ग्रन्थदिशा विशदयत।
यौवनकाल में (युवावस्था में) उत्पन्न अंधकार किस प्रकार का होता है? ग्रंथ के अनुसार लिखिए।

27. अर्धसमवृत्तविषमवृत्तयोः एकं वृत्तं विशदयत।
अर्धसमवृत्त या विषमवृत्त में से किसी एक का वर्णन कीजिए।

28. अपि ग्रावा रोदिति दलति वज्रस्य हृदयम्–इति सूक्तिं व्याख्यात।
'चट्टानें भी रोती है और वज्र के हृदय को कुचल देती हैं।' – इस सूक्ति की व्याख्या कीजिए।

29. ग्रन्थदिशा विन्ध्यारण्यवर्णनं प्रस्रवणपर्वतविषयकां स्मृतिं वा लिखत।
ग्रंथ के अनुसार विंध्यवन या प्रस्रवण पर्वत विषय का वर्णन स्मृति के आधार पर लिखिए।

30. श्रुत्यनुप्रासान्त्यानुप्रासयोरलङ्कारमेकमुपस्थापयत।
श्रुत्यनुप्रास और अन्त्यनुप्रास में से किसी एक अलंकार के विषय में लिखिए।

[D] पञ्च दीर्घोत्तरैः समाधेयाः। **6×5=30**

पाँच के दीर्घ उत्तर दीजिए :

31. बाणभट्टस्य जीवनचरितं ग्रन्थदिशा प्रतिपादयत।

ग्रंथ के अनुसार बाणभट्ट का जीवनचरित्र (परिचय) लिखिए।

32. ग्रन्थदिशा सङ्क्षेपेण राममहिमानं वर्णयत।

ग्रंथ के अनुसार राम की महिमा का वर्णन कीजिए।

33. चित्रदर्शनकाले प्राप्तमिथिलावृत्तान्तं सीताविषयकं वर्णनं वा उपपादयत।

चित्रदर्शन काल से प्राप्त मिथिला का वृत्तांत लिखिए या सीता के विषय में वर्णन प्रस्तुत कीजिए।

34. उपादानलक्षणा–लक्षणलक्षणा इत्यनयोः एकां लक्षणां प्रतिपादयत।

उपादान लक्षणा या लक्षण लक्षणा के लक्षण लिखिए।

35. तोटकद्रुतविलम्बितयोः एकं वृत्तं लिखत।

तोटक अथवा द्रुतविलम्बित छंद में से एक का परिचय दीजिए।